

8.6.15 - पञ्चवली आप आपका बाल उभय 11/12. 11.15 के
 पिछा 30/1 पञ्चवली का अनवरतन दिवा गंगा
 वाद पत्र में वादी गण उध निवेदन विषय गंगा
 हेतु के को के चक्र 30.5m तहसील अन्तर्गत का
 मु नं 83 फ. व 34/10 का 25 बीघा आदि
 6.325 हेक्टर कमाउ व अमकमाउ वादी गण के
 नाम सपुत्र रूप से राजस्व रिक्त में खोले की
 दर्ज है आपका उक्त कृषि आदि को वाद पत्र में
 विवादित कृषि आदि कहा जायेगा वादी गण पिछा उध
 है तथा उक्त विवादित आदि वादी गण की खोले की
 कृषि आदि है जो शुरू से वादी गण के निरन्तर रहे
 एवं शास्त्र पूर्वक आदि कर एवं आदिपत्र में चली आ रही
 है वादी गण की कृषि आदि में का पर पूरे 6.325 हेक्टर
 आदि राजस्व रिक्त के दर्ज है जिसमें 3.735 हेक्टर
 कमाउ व 2.530 हेक्टर अमकमाउ के प्रतिवादी ए।ए.उ.
 जो कि वादी गण के खेत पड़ोनी है तथा प्रतिवादी ए।ए.उ. की
 भी इसी चक्र में वादी गण की विवादित आदि के साथ
 पिपली आदि मु नं 84/11 में कृषि आदि है। इस
 बात का वेजा फायदा उठाकर प्रतिवादी ए।ए.उ. वादी गण
 की उक्त विवादित कृषि आदि पर पूरी गजर रखने
 लग गये। प्रतिवादी ए।ए.उ. ने गलत रूप से अपने स्वतन्त्र
 पैमादारी को वादी गण की खोले की कृषि आदि के
 कि 100 यार्ड में करीब 20 फुट अन्दर घुसकर अपना कमाउ
 करने के प्रयास करे। जब कि प्रतिवादी ए।ए.उ. को
 वादी गण के उक्त आदि कर एवं आदिपत्र की खोले की
 कृषि आदि के सम्बन्ध में कोई विधिक आदि कर प्राप्त
 नहीं है प्रतिवादी गण को इस आशय की खोले की
 से पावना

वअनकमाडे रकोतसी लुषि अमि फर पादी गण्डे अमि फर
आमि पय क लप क रर एउ उन के उपयोग उपयोग
वउवत वि कादित अमि के डिमी भी अ. भाग मे
डिमी प्रकार की वेजा मदारवलत पैरा करने व
कलाने से वाज का ममर रहे राज पैरा मर
रगे रिफेर प्राप्त की जिसमे यह दर्शा
है कि पड 303 मरह अरुपार का मुन 89 फस
84/10 के अरुपार 6.335 हेक्टर कमाड। अंगकमाड
रवका बाजके राजे रु पुत्र पानग राम जारि कुमर
सा गोपू वाल लह पीलीवंग के नाम रकोतसी दर्ज रिक्त है
उवत रवका पूर्व में छोडू राम पुत्र रामधन देवा राम
पुत्र छोडू राम जारि रिशेरी (अ. प्रिडिग) गान्धी बाज
लह भादय के नाम दर्ज रिक्त थी जो जारि रिक्त
पत्र नामांकन ७३३३ ३१२५२ उवत रवका
राजिह पुत्र पानग राम जारि कुमर सा गोपू वाल लह
पीलीवंग के नाम दर्ज हुआ है छोडू राम हाप वाद
स 52/15 दर्ज कल रण मे छोडू राम परमान्त मे
उवत लुषि अमि में डिमी प्रकार का दित यात्रि रकोतसी
नही रवका है मर छोडू राम उवत अमि का कोलेदा
न होने के भी दूर में उवत वाद 52/15 अमरि
धाप 188 रामधन निरन्तर किया जाना उचित है

आदेश

लिखजा वाद पत्र में वादाधीन लुषि अमि वादी गण्डे का 2
के नाम से दर्ज नहीं है अरु वादी गण्डे रकोतसी लुषि
नही है इसलिये वादी गण्डे का वाद प्रारि वादी गण्डे के
लिख वाद पत्र पेश करने की आदि काीत नही रखे है
अरु वाद वादी गण्डे इली हरेज पर काबिले खरिज है
रवाहीजु ठिपा जाल है पत्रावली के लुषि अमि नमर
से नम हो म बाद लहरी के तकनीक दाखिल फल है